

सबको पालनहार बैठयो बन ठन के

खुली हवा में महक श्याम की भक्तों को है लाई,
कीर्तन की है रात सभी के कष्ट मिटाने आई,
सारे जग में होते चर्चे श्याम तेरी महफ़िल के,
दरबार सजा के श्याम की हमने भी है ज्योत जलाई,
अलबेलो श्रृंगार करके श्याम दमके,
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के....

महके रे श्रृंगार तन पे फूल बन के,
साँवरे को पाकर सारे फूल चमके,
खाटू को सरकार बैठयो बन ठन के,
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के....

कानन कुण्डल हार गले में खूब चमके,
मोती चमके रे नगीना चमके,
कलयुग को अवतार बैठयो बन ठन के,
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के.....

हारे के सहारे बाबा जन जन के,
खाटू से खुलते हैं रास्ते जीवन के,
भक्तां को लखदातर बैठयो बन ठन के,
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के,
अलबेलो श्रृंगार करके श्याम दमके,
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28538/title/sabko-palanhar-baithyo-ban-than-ke>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |